Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to make vaccine effective on the African strain of COVID-19.

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण): महोदय, वर्ष 2020 कोरोना काल के कारण पूरा निकल गया । अब 2021 में वैक्सीन आने की वजह से कुछ नई उम्मीद बनी । इंग्लैंड का जो म्यूटेंट स्ट्रेन आया, उसे लेकर बहुत विवाद था, लेकिन हमारे दोनों वैक्सीन उस पर कामयाब रहे । मैं आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहूंगा कि अभी साउथ अफ्रीका का स्ट्रेन आया है, जो अमरीका सहित तीन देशों में कोरोना की बीमारी फैला रहा है । अमरीका में यह देखा गया कि उस पर यह वैक्सीन कामयाब नहीं हो रही है । भारत बॉयोटेक का बहुत ही अच्छा वैक्सीन है । मेरा आपके माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री से अनुरोध रहेगा कि भारत बॉयोटेक और आईसीएमआर द्वारा जो वैक्सीन बना है, उसके सीरा को अफ्रीका भेजा जाए और अफ्रिकन स्ट्रेन पर बॉयोटेक कितना कामयाब है, इसकी जांच कराई जाए । जिससे कि भारत जो पूरी दुनिया में वैक्सीन का सैंटर बना हुआ है, अफ्रीका के नागरिकों को भी मदद कर सके और यह स्ट्रेन भारत में भी न आए, इसके लिए भी मैं आप लोगों का ध्यान आकृष्ट कराना चाहूंगा । मेरा आपके माध्यम से यही अनुरोध है कि स्वास्थ्य मंत्री, भारत बॉयोटेक के वैक्सीन से प्रोड्यूस सीरा है, उसे अफ्रीका भेजकर अफ्रीकी स्ट्रेन की जांच कराएं, क्योंकि अमेरिकन वैक्सीन उस पर कुछ भी कामयाब नहीं हो पा रही है ।